



# मेरी पड़ोसन ज्योति आंटी की चुदाई

“मेरे पड़ोस में एक चिकनी कामुक आंटी रहने आई.  
वो बहुत ही शरीफ लगती थी पर मैंने उसकी शराफत  
को नंगी करके कैसे उसकी चूत चुदाई कर डाली! मेरी  
कामुक कहानी में पढ़ें. ...”

Story By: (cute\_boy6013)

Posted: Wednesday, May 29th, 2019

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [मेरी पड़ोसन ज्योति आंटी की चुदाई](#)

# मेरी पड़ोसन ज्योति आंटी की चुदाई

❏ यह कहानी सुनें

दोस्तो, मेरा नाम सुमित है। मैं दिल्ली में रहता हूँ। मेरी आयु 23 साल है। मेरे घर में चार सदस्य हैं- मेरी मां और पापा, एक बहन और मैं। मेरी बहन शालू अभी स्कूल में पढ़ाई कर रही थी जबकि मेरी पढ़ाई खत्म हो चुकी थी और मैं घर पर ही टाइम पास करता रहता था। एक बार मेरे पड़ोस में एक आंटी रहने आई। कुछ दिन के बाद उनसे जान-पहचान हुई तो पता चला कि उनका नाम ज्योति था।

थोड़े ही दिनों में उनका हमारे घर पर आना-जाना भी होने लगा। हम दोनों अच्छी तरह घुल-मिल गए।

ज्योति आंटी बहुत ही चिकनी थी, उसकी चूची बहुत ही मोटी थी, हम दोनों बहुत फ्रैंक थे पर हमारे बीच कोई ग़लत बात नहीं थी। आंटी बहुत शरीफ़ थी। वो शक्ल से भी शरीफ़ दिखती थी और उसका पहनावा भी ऐसा था कि कहीं से उसके बदन का कोई हिस्सा बाहर दिखाई ही नहीं देता था। वो अपने चिकने बदन को अपने कपड़ों के अंदर ऐसे छिपा कर रखती थी जैसे कोई सुनार तिजोरी में सोना छिपाकर रखता है।

ज्योति आंटी का पति अक्सर दूर पर जाता रहता था। मैंने बहुत कोशिश की आंटी को पटाने की लेकिन आंटी की लाइन कहीं से भी ओपन नहीं लग रही थी।

फिर एक दिन मैंने उंगली टेढ़ी करने की सोची क्योंकि सीधी उंगली से तो घी निकलना मुझे संभव नहीं लग रहा था।

वो वाकया उस दिन का है जब एक दिन आंटी अपने घर में कपड़े धो रही थी। मैं किसी काम से आंटी के घर गया हुआ था, मैंने देखा कि बैठने के कारण आंटी की आधी चूची बाहर

निकली हुई थी। बहनचोद ... उसकी चूची जब मैंने इस हालत में देखी तो मेरा लौड़ा तो जैसे तनतना गया. उसकी चूची बहुत चिकनी थी।

आंटी कपड़ों पर जोर-जोर से सोटा मार रही थी, सोटा मारते मारते आंटी की चूची भी हिल रही थी। उधर आंटी का सोटा कपड़ों को ठोक रहा था और इधर मेरा सोटा मेरी पैंट में तन कर मेरे अंडरवियर को ठोकने लगा था. मैंने सोचा कि आंटी की चूची इतना चिकनी है तो पूरी की पूरी नंगी आंटी कितनी चिकनी होगी!

मगर जल्दी ही मेरे अरमानों पर आंटी ने तब पानी फेर दिया जब उन्होंने मुझे उनकी चूचियों को घूरते हुए देख लिया. जैसे ही आंटी को इस बात की भनक लगी कि मैं उनकी चूचियों को ताड़ रहा हूँ तो आंटी ने मुझे देख कर अपनी चूची छुपा ली ... बहनचोद बहुत शरीफ़ थी वो.

फिर आंटी बोली- सुमित, ज़रा काम में मेरा हाथ बंटा दो।

मैं बोला- क्यों नहीं! अभी आता हूँ आंटी.

मैं उठकर आंटी के पास चला गया. आंटी ने सारे कपड़ों का मैल निकाल दिया था. मगर मेरे लंड का माल निकलने के लिए तो आंटी कोई जुगाड़ कर ही नहीं रही थी.

मैं आंटी के पास जाकर खड़ा हो गया तो आंटी बोली- ये कपड़े मशीन में डाल दो।

मैं आगे बढ़ा तो आंटी मशीन के पास खड़ी थी. कपड़े डालने से पहले मेरे दिमाग को एक शरारत सूझी. मैं जानता था आंटी इतनी जल्दी से तो नंगी हो नहीं सकती है इसलिए पहले आंटी को गर्म करना जरूरी था. आज वही मौका मेरे हाथ में था. मैंने मन ही मन सोचा कि सुमित, आंटी की गांड पर हाथ तो लगा दे ... एक बार शुरूआत तो करके देख, उसके बाद फिर देखा जायेगा जो होगा.

यह सोच कर मैं जानबूझ कर फिसल कर आंटी पर जा गिरा। आंटी पूरी की पूरी मेरे साथ लग गई, आंटी की गांड पर मेरा लण्ड लग गया। वाह ... बहुत ही मजेदार पल था। मेरा लंड आंटी की गांड पर सटा हुआ था।

मगर वो कामुक पल ज्यादा देर तक ठहरा नहीं क्योंकि आंटी ने मुझे पीछे कर दिया, आंटी बोली- लल्लू, जरा संभल कर खड़ा हो !

फिर मैं मशीन में कपड़े डालने लगा तो आंटी मेरे पीछे आकर खड़ी हो गई।

मेरा लंड तो आंटी की गांड छूते ही तन कर उछल-कूद करने लगा था। अब बारी थी आंटी की चूचियों को छूने की। वो हाथ से छूना तो संभव नहीं था लेकिन बहाने से आंटी के बदन से लग कर तो कम से कम आंटी की चूचियों को छूना संभव लग रहा था मुझे।

मैं जानबूझ कर झटका खाकर पीछे हुआ और आंटी ने मुझे बचाने के लिए कस कर पकड़ लिया। इस स्थिति में आंटी की पूरी चूची, पेट और चूत मुझसे चिपक गई।

हाय ... मेरी तो लॉटरी लग गई थी। आंटी के बदन से सट कर मजा आ गया कसम से। अब तो भूखे शेर के मुँह खून लग गया था।

बस उस दिन मैंने आंटी की चुदाई का मन बना लिया था। मैंने ठान लिया था कि चाहे मुझे आंटी की चुदाई के लिए कुछ भी करना पड़े मैं इसकी चूत को चोद कर ही रहूंगा।

मगर एक समस्या थी कि उसकी ये जो शर्म और शराफत थी वो मेरे लंड के आगे आ रहा थी। समझ नहीं आ रहा था कि उसको चुदाई के लिए उकसाया कैसे जाये। बस एक उम्मीद की किरण यही नजर आ रही थी कि आंटी का पति काफी दिनों से बाहर गया हुआ था। मैं सोच रहा था कि आंटी भी तो लंड लेने के बारे में सोचती होगी। अगर उसकी चूत में ज़रा सी भी खुजली होती होगी वो चुदने के लिए तैयार हो जायेगी। मगर उसके लिए मुझे एक अच्छे प्लान की जरूरत थी।

ज्योति आंटी को चोदने के लिए मैंने अपने दोस्तों की मदद लेने की सोची। हमारा एक फार्म

हाउस था. वहां पर कोई नहीं रहता था. मैंने मां को अपने प्लान का हिस्सा बना लिया. मगर मां को ये अहसास नहीं होने दिया कि मैं आंटी की तरफ आकर्षित हो रहा हूँ और उसको चोदने का प्लान बना रहा हूँ.

मैंने मां से कहा- ज्योति आंटी को एक दिन हमारा फार्म हाउस दिखाने के लिए ले चलते हैं. काफी दिन से हम वहां पर गये भी नहीं है. इस बहाने वहां पर घूमना भी हो जायेगा और आंटी भी फार्म हाउस देख कर आ जायेगी.

मां बोली- हां, बात तो तू सही कह रहा है सुमित। कई दिनों से मैं सोच ही रही थी फार्म हाउस पर कोई गया नहीं है. एक दिन हम उसको देखने चलेंगे.

मैंने तपाक से कहा- तो फिर इसी संडे को चलते हैं मां.

मां बोली- ठीक है, मैं ज्योति आंटी से बात करके देखती हूँ.

शाम को मां ने ज्योति आंटी को फार्म हाउस पर ले जाने की पेशकश की. आंटी पहले तो मना कर रही थी लेकिन बाद में फिर मान गई क्योंकि आंटी भी सारा दिन घर पर बोर हो जाती थी इसलिए उन्होंने सोचा कि उनका मन भी बहल जायेगा.

बस, अब आधा काम तो हो गया था. मगर अभी आधा काम बाकी था क्योंकि मां के रहते तो आंटी की चुदाई नहीं हो सकती थी. इसलिए मां को रास्ते से हटाना जरूरी था. लेकिन समझ नहीं आ रहा था कि मां को रास्ते से हटाया कैसे जाये.

मैंने अपने दोस्त राहुल और वरुण से इस बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि तेरा काम तो हो जायेगा लेकिन इस चिकनी की चूत तो फिर हम भी मारेंगे.

मैंने कहा- ठीक है कमीनो, लेकिन मां के बारे में तो सोचो, अगर मां साथ में रही तो हम आंटी की चुदाई नहीं कर पायेंगे.

वरुण ने कहा- तू उसकी चिंता मत कर. हम उसका जुगाड़ कर लेंगे.

फिर हम तीनों दोस्तों ने ज्योति आंटी की चूत चुदाई का प्लान बनाना शुरू कर दिया.

वो रविवार का दिन था. दोपहर का काम निपटाने के बाद मां ने आंटी को बुला लिया. हमारे पास खुद की कार थी. मैंने अपने दोस्तों को भी बुला लिया. वरुण और राहुल ज्योति आंटी से पहले ही मेरे घर पहुंच गये.

मां ने पूछा तो मैंने कह दिया कि ये लोग फार्म हाउस चलेंगे हमारे साथ. अगर कुछ काम होगा तो हम तीनों वहीं पर रुक जायेंगे.

मां को मेरी बात का यकीन हो गया क्योंकि उसके मन में ऐसी कोई नहीं थी हमारे खुराफाती इरादे क्या हैं.

हम पांचों लोग गाड़ी में बैठ कर फार्म हाउस के लिए निकल गये. प्लान के मुताबिक फार्म हाउस पहुंचने के बाद मेरे फोन पर मेरे एक तीसरे दोस्त का फोन आया.

फोन दोस्त का था लेकिन मैंने नाटक करते हुए मां से कहा- मां शायद, शालू घर पहुंच गई है और आपको पूछ रही है. आपने घर का लॉक लगाया हुआ है क्या ?

मां बोली- हां, घर पर तो ताला लगा हुआ है.

इससे पहले मां कुछ कहती मैंने राहुल से कहा- राहुल, तू मां को घर छोड़ कर आ जा, हम तब तक यहीं रुकते हैं.

आंटी बोली- मैं भी शारदा के साथ चली जाती हूं.

मैंने कहा- आंटी अभी तो आये हैं. आप तो थोड़ी रुक जाओ. मां शालू को चाबी देकर वापस आ जायेगी.

मां ने कहा- हां ज्योति, तुम यहीं रुको मैं अभी वापस आ जाऊंगी.

राहुल मां को गाड़ी में लेकर चला गया. प्लान के हिसाब से राहुल जानबूझकर मां को ऐसे रास्ते से लेकर गया जहां पर ट्रैफिक जाम मिलना ही मिलना था. वो रास्ता भी थोड़ा लम्बा था.

मां के जाने के बाद मैं, वरुण और ज्योति आंटी फार्म हाउस के अंदर चले गये. अंदर जाते ही मैंने दरवाजा बंद कर दिया.

आंटी बोली- ये सब क्या है सुमित ?

मैंने कहा- कुछ नहीं आंटी ...

इतने में ही वरुण ने पीछे से आकर आंटी को पकड़ लिया. वो आंटी के चूचे दबाने लगा और अपना लंड आंटी की गांड पर रगड़ने लगा.

आंटी बोली- अरे अरे ... क्या कर रहे हो ? मैं शारदा से तुम्हारी शिकायत कर दूंगी.

मगर वरुण ने आंटी के चूचों को जोर से दबाते हुए उनकी गर्दन पर किस करना शुरू कर दिया. मैंने आंटी की साड़ी का पल्लू खींच दिया और आंटी का ब्लाउज दिखने लगा जिसमें उसके चूचे भरे हुए थे.

आंटी मुस्कुरा कर मुझसे बोली- क्या तुम इसी लिए मुझे यहाँ लेकर आये थे ? मैं देख रही थी कि तुम्हारी नजर मेरे जिस्म पर है. लेकिन तुम तो मेरी उम्मीद से बड़े हुरामी निकले ... अपने दोस्तों को भी साथ लगा लिया ? तुम घर पर कोशिश करते तो क्या तुम्हें मना करती ? लेकिन अब ये तुम्हारे दोस्त ... मेरा तो बुरा हाल हो जाएगा. मेरा यह चिकना नाजुक बदन तुम दोनों के सख्त जिस्म से रगड़ रगड़ कर छिल जाएगा.

मैंने कहा- प्लीज ... आंटी, बस एक बार मुझे मजा दे दो. मैं मम्मी कसम खाकर कहता हूँ कि किसी को कुछ भी पता नहीं लगने दूंगा.

इतने में ही वरुण ने आंटी की साड़ी की सिलवटों को खोलना शुरू कर दिया. दो मिनट में ही आंटी केवल ब्लाउज और पेटिकोट में रह गई थी.

मैंने सामने से जाकर आंटी के चूचों पर मुंह लगा दिया. आंटी पहले तो दिखावे का विरोध करती रही लेकिन बाद में उन्होंने हथियार डाल दिये. वरुण ने आंटी का पेटिकोट खोल दिया और आंटी को नीचे से नंगी कर दिया. फिर उसने आंटी के ब्लाउज के हुक भी खोल

दिये और आंटी का ब्लाउज उतरते ही वो पूरी की पूरी हमारे सामने नंगी हो गई. वरूण ने पैंट खोल कर अपना लंड निकाला और पीछे से आंटी की गांड पर रगड़ने लगा.

आंटी के मुंह से अब धीरे-धीरे सीत्कार निकलने लगी. मैंने आंटी के चूचों को हाथों में भर कर उनके निप्पलों को पीना शुरू कर दिया. हम दोनों आंटी को चूमने चाटने में लगे हुए थे. मैंने आंटी के चूचों को दबा-दबा कर और वरूण ने आंटी की गांड पर लंड को रगड़ कर उसे पूरी तरह से गर्म कर दिया. फिर आंटी ने खुद ही मेरे लंड को मेरी पैंट के ऊपर से सहलाना शुरू कर दिया.

अब लाइन बिल्कुल क्लियर थी. मैंने अपनी पैंट की जिप खोल दी और अपना 5 इंच का मोटा लंड आंटी के हाथ में पकड़ा दिया. आंटी मेरे लंड को पकड़ कर उसके टोपे को आगे-पीछे करने लगी. आह्ह ... आंटी के हाथ में लंड जाते ही मेरे लंड का तनाव दोगुना हो गया. मैं अपनी गांड को आगे की तरफ धकेलते हुए जैसे आंटी के हाथ को ही चोदने लगा. मेरा लंड आंटी की चिकनी जांघों पर जाकर टच हो रहा था. पीछे से वरूण आंटी के चूतड़ों को दबा रहा था.

जब मुझसे कंट्रोल नहीं हुआ तो मैंने आंटी के होंठों को पकड़ जोर से चूस डाला और आंटी की चूत को अपनी हथेली से रगड़ने लगा. कामुक होकर आंटी पगला गई. वो मुझे अपनी बांहों में भरने लगी. मैंने आंटी की चूत में उंगली डाल दी तो पता लगा आंटी की चूत पूरी गर्म हो चुकी है. मैंने अपनी उंगली से आंटी की चूत को चोदना शुरू कर दिया. फिर वरूण का हाथ भी आंटी की गांड के नीचे से आगे की तरफ आकर उसकी चूत पर फिरने लगा.

हम तीनों के तीनों पागल हो चुके थे सेक्स की प्यास के कारण. मैंने जल्दी से अपनी शर्ट उतारी और पैंट उतार कर पूरा का पूरा नंगा हो गया. तब तक वरूण ने मोर्चा संभाला. वो आंटी की चूत को रगड़ता रहा और आंटी कामुक सिसकारियां लेती रही.



हमने पास ही पड़े तख्त पर आंटी को लेटा दिया और आंटी की टांगों को चौड़ी कर दिया. वरूण ने आंटी के मुंह में लंड दे दिया और मैंने आंटी की चूत में लंड डाल दिया.

मेरा दोस्त ज्योति आंटी के मुंह में लंड डाल कर उनको अपना लंड चुसवाने लगा और मैंने आंटी की चूत की चुदाई शुरू कर दी. उम्ह... अहह... हय... याह... आंटी की चूत पर हल्के बाल थे जो उसने कुछ दिन पहले ही शेव किये थे. उसकी चूत में लंड डालकर सच में मजा आ रहा था दोस्तो.

मैं तेजी से आंटी की चूत को चोदने लगा. पांच मिनट में ही मेरे लंड ने आंटी की चूत में पानी फेंक दिया. फिर वरूण ने आकर आंटी की चूत में लंड डाल दिया. मैं आगे की तरफ जाकर आंटी के चूचों को दबाने लगा और वरूण ने आंटी की चूत की चुदाई शुरू कर दी. आंटी की चूत फूल कर कचौरी की तरह हो गई थी. मैं आंटी के निप्पलों को मसलने लगा तो आंटी बहुत चुदासी हो गई.

वरूण तेजी के साथ आंटी की चूत चोदने लगा. आंटी और वरूण के मुंह से आह-आह की तेज-तेज आवाजें निकल रही थीं. दो-तीन मिनट के बाद आंटी वरूण के लंड की तरफ अपनी चूत को फेंकने लगी और देखते ही देखते उसकी चूत ने पचर-पचर पानी छोड़ दिया. वरूण अभी धक्के लगा रहा था और लंड अंदर-बाहर होते हुए चूत से पच-पच की आवाज होने लगी. फिर पांच-सात धक्कों के बाद वरूण ने भी आंटी की चूत में अपना माल छोड़ दिया. हम तीनों शांत हो गये.

फिर जल्दी से हमने वापस कपड़े पहन लिए और तब तक मां भी आ पहुंची थी. तब तक हम दरवाजा खोल कर बाहर आ गये थे और आराम से यहां-वहां घूमने लगे थे. आंटी के चेहरे पर खुशी दिखाई दे रही थी.

उस दिन के बाद आंटी और मेरे बीच कई बार सेक्स संबंध बने. फिर 6 महीने के बाद ही

आंटी वहां से वो मकान खाली करके चली गई. मुझे उसकी याद हमेशा सताती रहती है. मैंने कई बार उसको फोन करने की कोशिश की लेकिन उसने जो नम्बर दिया था वो हमेशा ही स्विच ऑफ रहने लगा था. फिर मैंने उम्मीद छोड़ दी लेकिन उसकी चुदाई करके मैंने खूब मजे लिये।

दोस्तो, ये थी मेरी कामुक कहानी. कहानी पसंद आई या नहीं ... कहानी पर कमेंट करके प्यार दें. मैं आपके मेल का इंतजार करूंगा.

cute\_boy6013@rediffmail.com

## Other stories you may be interested in

### यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-3

पिछले भाग में आपने पढ़ा कि जीजा ने फोन पर बातें करते हुए मुझे सुन लिया था और जीजा मेरी चूत को चोदने लगे थे. मैं भी जीजा को आशीष कहकर बुला रही थी. ताकि आशीष को पता न लगे [...]

[Full Story >>>](#)

### क्लासमेट की मां चोद दी

बात तब की है जब मैं और कुलजीत कक्षा 12 में पढ़ते थे. कुलजीत की अभी दाढ़ी नहीं निकली थी. चिकना और गोल मटोल था. चूतड़ ऐसे कि गांड मारने को उत्तेजित करते थे. वह मेरे घर के पीछे वाली [...]

[Full Story >>>](#)

### यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-2

सेक्सी हिंदी कहानी के पहले भाग में आप ने पढ़ा कि मैं फोन पर आशीष के साथ चुदाई की बातों में लगी हुई थी और इधर मेरे जीजा मेरी चूत चाटने के बाद ऊपर की ओर बढ़ आये थे. उन्होंने [...]

[Full Story >>>](#)

### टीचर की यौन वासना की तृप्ति-13

अब तक इस सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि नम्रता और मैं, हम दोनों अपने अपने पार्टनर के साथ रात को चुदाई कर चुके थे. नम्रता मुझे अपने पति के संग हुई चुदाई के बारे में सुनाने में लगी थी. [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरा सच्चा दोस्त बाबा : एक गे स्टोरी

दोस्तो, आपका अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पे स्वागत है. मैं दीपक आप सभी को प्रणाम करता हूँ. सबसे पहले मैं अपने बारे में आपको बता दूँ. मैं 5 फुट 4 इंच के कद का हूँ और मेरा लंड 6 इंच का [...]

[Full Story >>>](#)

